भिवानी गौरव सम्मान 2013

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भिवानी परिवार का महत्वपूर्ण कार्यक्रम ''भिवानी गौरव सम्मान एवं नारायणी देवी–महावीर प्रसाद भग्गनका लोक उत्सव दिनांक 10 नवम्बर, 2013 रविवार को हंसराज कॉलेज के ऑडिटोरियम में होने जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में भिवानी को समस्त देश में प्रतिष्ठा दिलाने वाले 8 महापुरूषों की स्मृति में भिवानी की विभिन्न हस्तियों को, जिन्होने विश्व के किसी भी हिस्से में उक्त विशिष्ट क्षेत्रों में भिवानी का मान बढाया है, को ''भिवानी गौरव'' सम्मान से नवाजा जायेगा। ''भिवानी गौरव'' सम्मान श्रेणियां इस प्रकार हैं :

1. बाबू बनारसी दास गुप्ताः पत्रकारिता / मिडिया 2. श्री राम किशन गुप्ता : शिक्षा / शिक्षा प्रचार 3. प० गोपाल कृष्ण : सगीत एवं कला 4. पं नेकी राम शर्माः राष्ट्र सेवा 5. श्री माधव मिश्र : साहित्य 6. श्री सुरजीत सिंह : खेल 7. श्री फकीर चंद : सेवा 8. चौधरी बंसी लाल : ग्राम विकास / प्रशासन

इस कार्यक्रम में हमारे विशिष्ट संरक्षक माननीय पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वी. के. सिंह जी मुख्य अतिथि होंगे व हमारे विशिष्ट संरक्षक प्रणामी मंदिर श्रृंखला के प्रमुख संत स्वामी सदानंद जी महाराज का विशेष सानिध्य हमें प्राप्त होगा। यह कार्यक्रम प्रमुख समाज सेवी और हमारे संरक्षक सदस्य श्री पुष्पेन्द्र गोयल द्वारा अपने माता–पिता जी की पावन स्मृति में प्रायोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में भिवानी की जिन हस्तियों को उनके अल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया जा रहा है उनका संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है:

बाबू बनारसी दास गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान (पत्रकारिता)
श्री प्रमोद महत्ता

1. भिवानी के लोगों ने लगभग हर क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनायी है। पत्रकारिता के क्षेत्र मे एक एसी ही शख्सियत है श्री प्रमोद मेहता। आप पिछले 5 साल से पत्रकारिता में सक्रिय हैं। आप का जन्म 21 सितम्बर 1961 को भिवानी के प्रसिद्ध संगीत प्रेमी परदेशी परिवार में हुआ। आपकी प्रारम्भिक शिक्षा हलवासिया स्कूल से हुई। आपने गवर्नमेंट कालेज भिवानी से बी.ए., के, एम. कालेज भिवानी से बी.एड तथा देहली यूनिवर्सिटी से एम. ए.ए एम फिल. –म्यूज़िक में की और पत्रकारिता में डिप्लोमा हासिल किया है। आपने छात्र जीवन मे गवर्नमेंट कॉलेज भिवानी और केएम कॉलेज भिवानी की पत्रिका के संपादक का दायित्व भी निभाया। आप सन 1988 से 1997 तक आकाशवाणी रोहतक व मथुरा से जुडे रहे। सन 1998 से 2007 तक आप आकाशवाणी देहली मे उच्च ऑफिसर रहे। सन 2008 से आप दूरदर्शन से जुडे हुये हैं। आप के द्वारा संगीतबद्ध देशभक्ति गीतों में अनेकों बार गणतंत्र दिवस परेड की शोभा बढाई है व प्रारम्भिक काल में जब हरियाणवी गीतों का चलन शुरू हुआ तब उसमे आपके संगीत व सुरों का विशेष योगदान रहा। सम्प्रति आप दूरदर्शन केंद्र, दिल्ली में असिस्टेंट स्टेशन डायरेक्टर पद पर कार्यरत हैं तथा राज्य सभा के सीधे प्रसारण के प्रोड्यूसर इंचार्ज हैं। आपको हरियाणा सरकार से पत्रकारिता का सम्मान पत्र प्रदान किया गया। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको बाबू बनारसी दास गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान (शिक्षा)
डॉ० आर० के० चौहान

भिवानी को प्राचीन समय से छोटी काशी के नाम से जाना जाता है। इसका एक कारण मंदिरों की अधिकता होना था तथा दूसरा कारण तत्कालीन काशी के समकक्ष यहां पर शिक्षा की उपलब्धता होना था। शिक्षा में अग्रणीय भूमिका निभाने वाले गांव कोहलावास, भिवानी के डा. आर. के. चौहान किसी परिचय के मोहताज नही हैं। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से LLB एवं MBA की डिग्रियां हासिल की तथा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदोर से पी.एच.डी. की । आपको वित्त प्रबंधन, शिक्षण प्रबंधन, सामरिक प्रबंधन, कर्मचारी प्रबंधन एवं व्यवस्थापन विकास की काफी निपुणता है। उपकुलपति के कार्यकाल के दौरान गुरू जम्भेवर विश्वविधालय, हिसार को विलोपन से निकालकर इसे 'ए' ग्रेड संस्थान का रूप देने वाले निर्माता के रूप में जाने जाते है। उच्च शिक्षा की शीर्ष संस्था UGC में आपने आयोग के सचिव समेत विभिन्न उत्तरदायित्यों का अच्छा खासा अनुभव है। देश में उच्च शिक्षा विस्तार के लिये आपके योगदान को भुलाया नही जा सकता। UGC की प्रस्तुति के फलस्वरूप सरकार ने 11 वीं पंचवर्षीय योजना में नये केंद्रीय विश्वविद्यालय, IIT और IIM जैसे संस्थान खोलने का निर्णय लिया । आपने गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, ग्लोबल मुक्त विश्वविद्यालय, नागालैंड तथा लिंगाया विश्वविद्यालय, फरीदाबाद का उपकुलपति के रूप में मार्गदर्शन किया। आप पिछले 26 वर्षों से भारत में उच्च शिक्षा की नीति योजना से जुड़े हैं तथा उच्च शिक्षा के लिए गठित अनेक उच्च समितियों के सदस्य भी रहे हैं। आप देश के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के कार्यकारी समिति के सदस्य एवं प्रबंधक बोर्ड के सदस्य भी हैं। आपने अमेरिका, इंग्लैंड, कनाडा, श्रीलंका, मारीशस, थाईलैंड, टर्की साउथ अफ्रीका जस अनक दशों में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडलों के सदस्य के रूप में शिरकत की है। भिवानी परिवार मैत्री आपको श्री राम कृष्ण गुप्ता भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान (संगीत)
वसुधा शर्मा

वसुधा शर्मा एक प्रसिद्ध गायिका एवं गीतकार है। आपका संगीत भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोक संगीत का एक बहुत सुंदर मिश्रण है जिसमें समकालीन पाश्चात्य संगीत का समावेश हैं। संगीत निर्देशन में आपका पर्दापण हिंदी फिल्म 'शाहरूख बोला खूबसूरत है तू' के माध्यम से हुआ। इस फिल्म से संगीत की दुनिया में एक नयी लहर का आगमन हुआ । इस फिल्म के गीतों को स्व. जगजीत सिंह और शंकर महादेवन जैसे महान गायकों ने अपनी आवाज दी। Music 2 deal द्वारा आयोजित एक आनलाइन मुकाबले मे भारत के 420 बैंड्स ने अपनी प्रस्तुति दी। इस मुकाबले में आपने विजय प्राप्त की जिसके फलस्वरूप आपको 2010 जर्मनी में आयोजित बर्लिन पोपकोम फेस्टिबल में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिये चुना गया। आपको संगीत की विधा में नये–नये प्रयोग करना अच्छा लगता है। भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत को मिलाकर आप Live Looping भी कर रही हैं। आपका एकल महिला बैंड अपने आप में Beatboxing, Harmony का एक खुबसूरत समावेश है। आप लाइव संगीत पर अपनी प्रस्तुति करती हैं। आप पूरे हिंदुस्तान में अपने कार्यक्रम करती हैं तथा आपने हाई राक कैफे, ओपस ब्लुफ्रोग जैसे नामी हिंदुस्तानी क्लबों मे अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। आजकल आप अपने एकल एल्बम Attuned Spirits" में कार्य कर रही हैं तथा आपका पहला एकल एल्बम 'जागी जागी रैना'' पहले से ही प्रसिद्धि हासिल कर चुका है। हाल ही में आपको बर्कली कालेज आफ म्यूजिक, बोस्टन अमेरिका से संगीत के क्षेत्र में स्कालरशिप भी मिला है। विश्व के अनेक संगीतकारों के साथ आपका एल्बम शीघ्र ही लांच होने वाला है। आजकल आप एक प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ निर्देशक श्री गोविंद निहलानी की एनिमेटेड फिल्म 'कमलू' के लिये संगीत रचना में व्यस्त हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित गोपाल कृष्ण भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान (राष्ट्र सेवा)
स्वामी प्रणवानंद सरस्वती

हम सबका परम सौभाग्य है कि हम भारत राष्ट्र के नागरिक हैं। इस देश की ही एक शख्सियत है स्वामी प्रणवानंद सरस्वती। आपका जन्म 20 जून, 1747 को श्री तोखराम आर्य और श्रीमती समाकौर आर्य के घर गांव गौरीपुर, जिला भिवानी में हुआ । आपने गुरूकुल झज्जर से व्याकरणाचर्य तथा गुरूकुल कांगड़ी विश्विद्यालय से वेद विषय से प्रथम श्रेणी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की। आपने गुरूकुल झज्जर, वैदिक साधना आश्रम गुरूकुल यमुनानगर के आचार्य गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के वेद विषय के प्राध्यापक के रूप में अपना अध्यापन कार्य किया । सम्पूर्ण भारत एवं अमेरिका, हालैंड, मारीशस आदि देशों में वैदिक धर्म का प्रचार–प्रसार करके आपने राष्ट्र सेवा की है। श्रीमद् दयानंद वेद विद्यालय गुरूकुल, गौतम नगर के सफलतापूर्वक संचालन के साथ साथ आप लगभग 13 संस्थाओं की स्थापना कर चुके हैं। आप अष्टाध्यायी, लिंगनुशासन, फिट्सूत्रपा, जयुर्वेद और सामवे को ताम्रपत्रों पर उत्कीर्ण करवा चुके हैं। शेष वेद और आर्ष ग्रंथों का उत्कीर्णकार्य चल रहा है। ऋग्वेद, यजुर्वेद, साम्वेद, निरूक्त अष्टायायी आदि लगभग 50 आर्षग्रंथों का प्रकाशन 'आर्ष साहित्य संस्थान' नामक अपने प्रकाशन विभाग से किया गया है। आपके आचार्यत्व में ''आर्ष ज्योति'' मासिक पत्रिका का निरंतर प्रकाशन हो रहा है। आप लगभग 80 छात्रों को यजुर्वेद कंठस्थ करा चुके हैं तथा हजारों छात्रों को धातुपाठ, आष्टध्यायी, उणदिकोष आदि ग्रंथ कंठस्थ कराकर संस्कृत एवं वैदिक साहित्य में निपुण बनाकर राष्ट्र सेवा की है। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित नेकी राम शर्मा भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान (साहित्य)
मुकुंद स्वरूप गौड़

भिवानी की पावन नगरी प्राचीन काल से ही कवियों, शायरों , रचनाकारों, साहित्यकारों एवं विद्वानों की कर्मभूमि रही है। काव्य की दुनिया में मुकुंद स्वरूप गौड जी का नाम बडे ही आदर से लिया जाता है। आपका जन्म सन 1926 में हुआ । आप संस्कृत भाषा के एक बहुत बड़े विद्वान है तथा गत 65 वर्षों से हिंदी एवं संस्कृत भाषा की सेवा कर रहे हैं। आपकी चार रचनायें प्रकाशित हो चुकी हैं। आपके द्वारा काव्य रूप में लिखित सरल रामायण अत्यंत लोकप्रिय हैं। आपने श्रीमदभागवत गीता को अंग्रेजी, हिंदी तथा संस्कृत भाषा में लिखा है। गीता को जनमानस तक पहुंचाने के लिये आपने सरल गीता की रचना की है। आपके द्वारा रचित सार्थक हिंदी गीता गुटका भी साहित्य की एक बेमिसाल रचना है। आपको विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं से अनेकों सम्मानों से नवाजा गया है। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान से अलकृत कर अनुग्रहित हुआ।

श्री सुरजीत सिंह भिवानी गौरव सम्मान (खेल)
दर्शन कुमार मिड्ढा

मिनी क्यूबा के नाम से विख्यात भिवानी का नाम पूरे विश्व में बड़े आदर से लिया जाता है। भिवानी के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अमिट छाप छोडी है। भिवानी को खेलों की नर्सरी बनाने वाले प्रमुख बागबांओ में एक हैं श्री दर्शन कुमार मिड्ढा। आपका जन्म श्री अर्जुन दास जी के घर हुआ । आप गत 17 वर्षों से हरियाणा किकेट टीम के कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं। आप किकेट की प्रतिभाओं को तराशने में लगे हुए हैं। गत 20 वर्षो से आपके द्वारा प्रशिक्षित 30 से भी ज्यादा पुरूष और महिला खिलाडियों ने हर वर्ष हरियाणा का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया है और अपनी पहचान बनायी है। आपके द्वारा प्रशिक्षित भिवानी के 35 किकेट खिलाडियों ने रणजी ट्राफी में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया है। आपके द्वारा प्रशिक्षित भिवानी के किकेट खिलाडी सन्नी सिंह पिछले पॉच वर्षो से IPL में खेल रहे हैं। सन्नी सिंह ने अंडर–19 किकेट विश्व कप में दो बार भारत का प्रतिनिधित्व करके आपका सम्मान बढाया है। किकेट में आपकी उल्लेखयनीय अपलब्धियों के लिये आपको दो बार सन 1999 और 2000 में हरियाणा के राज्यपाल द्वारा Best Coach के गवर्नर अवार्ड से नवाजा गया। सम्प्रति आप जिला खेल अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। भिवानी परिवार मैत्र संघ आपको श्री सुरजीत सिहं भिवानी गौरव सम्मान से अंलकृत कर अनुग्रहित हुआ

फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान (सेवा)
कृष्ण बासिया

21 मार्च 1957 को जन्में श्री कृष्ण बसिया जी का देहली में वजीरपुर मे स्टेनलेस स्टील का व्यवसाय है लकिन उनका दिल समाज सेवा में ही रमता है। वे पीतमपुरा के सी डी ब्लाक मंदिर के साथ एक विशाल धर्मार्थ डिस्पेंसरी चला रहे है जिसमे काफी MD स्पेशलिस्ट एलोपथिक डॉक्टर्स एवं होमियोपैथी डॉक्टर प्रतिदिन बैठते है व करीब 300 मरीजों की OPD प्रतिदिन होती है। इस डिस्पेंसरी का आसपास के एरिया में अपना विशिष्ट नाम है और जरूरतमंद लोगों की बीमारियों का निदान करने में यह डिस्पेंसरी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आप श्री रामलीला कमेटी पीतमपुरा के प्रधान भी है जो की पूरी देल्ली की एक प्रमुख रामलीलाओं में से एक है। इसके अलावा आप अग्रसेन हॉस्पिटल, पंजाबी बाग, श्री अग्रसेन इंटरनेशनल हॉस्पिटल और अग्रवाल वेलफेयर सभा, अशोक विहार के भी ट्रस्टी हैं। आप हरिद्वार, मेंहदीपुर और वृन्दावन के धर्मशालाओं की मैनेजमेंट से भी जुडे हुए हैं। आपका समाज सेवा के क्षेत्र मे एक विशिष्ट योगदान व स्थान है। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको श्री फकीर चंद भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।

चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान (लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास) आर सी मेहतानी

आर सी मेहतानी जी का जन्म सन 1937 में अविभाजित भारत में गांव कहरोर पक्का जिला मुल्तान में हुआ। सन 1947 में भारत के विभाजन के पश्चात आपके परिवार ने मेरठ प्रवास किया तभा उसके बाद गांव तोशाम में प्रवास किया। आपकी शिक्षा तोशाम, भिवानी एवं चंडीगढ में हुई। आपने पंजाब सरकार के सचिवालय में आशुलिपिक के रूप में कार्य किया तथा राज्य के मुख्य सचिव के साथ कार्य किया। आपको पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरो के साथ अतितिक्त निजी सचिव के रूप में कार्य करने का सौभाग्य मिला। आपको हरियाणा के निर्माता चौधरी बंसीलाल सहित हरियाणा एवं पंजाब के पॉच मुख्यमंत्रियों के साथ कार्य करने का भी सैभाग्य प्राप्त हुआ। आपको राज्य की प्रशासनिक सिविल सेवा में प्रोन्नत किया गया। हरियाणा राज्य के विकास एवं प्रशासन में आपके योगदान, और निष्ट को हमेशा सराहा गया। प्रशासनिक सेवा में आपको 20 से भी अधिक वर्षों का अनुभव है। आपकी प्रशासनिक कुशलता का जिक्र विभिन्न परिचर्चाओं मे आज भी किया जाता है। आपने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय में निदेशक के रूप में भी कार्य किया जिसे आज भी याद किया जाता है। सेवा–निवृत्ति के पश्चात आप पूर्ण रूप से सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित हैं। आप अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं जुडे हैं एवं अस्पताल, डिसपेंशनरी, कम्प्यूटर सेंटर के माध्यम से समाज के लिये सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। भिवानी परिवार मैत्री संघ आपको चौधरी बंसी लाल भिवानी गौरव सम्मान से अलंकृत कर अनुग्रहित हुआ।